भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **3533** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 21 मार्च, 2025/ 30 फाल्गुन, 1946 (शक) को दिया जाना है

नारायणी रिवर फ्रंट का विकास

† 3533. डॉ. आलोक कुमार सुमन :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गोपालगंज जिले में नारायणी नदी पर रिवर फ्रंट का विकास किया गया तथा नमामि गंगा कार्यक्रम के तहत दो घाटों का निर्माण किया गया;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या गंडक नदी (नारायणी नदी) को भैसालोटन बैराज से हाजीपुर में गंडक और गंगा नदी के संगम तक देश के 111 राष्ट्रीय जलमार्गों के साथ राष्ट्रीय जलमार्ग- 37 घोषित किया गया, यदि हां, तो इस संबंध में प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या यह सच है कि संभावित कार्गो की अनुपलब्धता के साथ-साथ एनडब्ल्यू-37, अर्थात् रीवा घाट ब्रिज पर स्थित संरचना के कारण बहुत कम नौवहन/ ऊर्ध्वाधर निकासी के कारण विकास गतिविधियां स्थगित हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में क्या सुधारात्मक कार्रवाई प्रस्तावित है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): नमामि गंगा कार्यक्रम के अंतर्गत, जुलाई, 2021 में बिहार के गोपालगंज जिले में, नारायणी नदी पर 8.25 करोड़ रु. की लागत से 2 घाटों का कार्य पूरा हो गया है और संबंधित शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) को सौंप दिया गया है। घाटों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

1. दुमारिया घाट 60 मीx 30 मी
2. ब्रिज घाट 60 मीx 30 मी

(ग): जी हां। गंडक नदी (नारायणी नदी) को त्रिवेणी घाट के पास भैसालोटन बैराज से हाजीपुर में गंडक और गंगा नदी के संगम तक देश के 111 राष्ट्रीय जलमार्गों के साथ राष्ट्रीय जलमार्ग-37 घोषित किया गया है। आईडब्ल्यूएआई ने जलमार्गों के साथ-साथ नौचलन संबंधी गहराई का आकलन करने तथा फ्लोटिंग जेट्टियां प्रदान करने के लिए जलीय (हाइड्रोग्राफिक) सर्वेक्षण शुरू किया है।

(घ) और (ङ): गंडक नदी (रा.ज.- 37) पर विकासात्मक कार्य शुरू करने के लिए, आईडब्ल्यूएआई ने "अंतर्देशीय जलमार्ग के विकास हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार / अद्यतन करने" के लिए मैसर्स रेल इंडिया टेक्नीकल एंड इकोनॉमिक सर्विस लिमिटेड (आरआईटीईएस) को नियुक्त किया है जिसमें आईडब्ल्यूटी द्वारा आवाजाही के लिए संभावित कार्गो की पहचान करना तथा साथ ही नौचालन संबंधी मानकों के अनुसार क्रॉस संरचनाओं की पहचान करना शामिल है। रीवा घाट ब्रिज के नीचे नौचालन समस्या के संबंध में, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से उपयुक्त क्षेतिज और ऊर्ध्व नौचालन मंजूरी के साथ नए पुल के निर्माण के लिए अनुरोध किया गया है।

****